

राम कयो नी जाय मुख से हरि कयो नी जाय लिरिक्स



राम कयो नी जाय मुख से,
हरि कयो नी जाय,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।

पैहली पोर मनं सपनो आयो,
कुआं में लागी लाय,
हरी हर कुआं में लागी लाय,
पैहली पोर मनं सपनो आयो,
कुआं में लागी लाय,
कादा कीसड़ जल गया रे,
कादा कीसड़ जल गया,
मछीयों ओंटा खाय,
मछीयों ओंटा खाय,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।

दुजी पोर मनं सपनो आयो,
मुरदो रोटी खाय,
हरी हर मुरदो रोटी खाय,
बोलायो बोलै नहीं,
बोलायो बोलै नहीं ओं,
डगमग हंसतो जाय,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।

तीजी पोर मनं सपनो आयो,
सिंघ चरै है घास,
हरी हर सिंघ चरै है घास,
मिनी बाई तो करै विलोणा,
मिनी बाई तो करै विलोणा,
ऊंदरा माखण खाय,
ऊंदरा माखण खाय,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इनपुट के आपसे भी आसानी से डाउनलोड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।bd।

सोंथी पोंर मनं सपनो आयो,
कीड़ी सासरै जाय,
हरी हर कीड़ी सासरै जाय,
हाथी घोड़ा लिया बगल में,
घोड़ा लिया बगल में,
ऊंट लपेटा खाय,
ऊंट लपेटा खाय,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।bd।

कैहत कबीर सुणो भाई साधो,
निर पंथ है निरवोंणा,
हरी हर निर पंथ है निरवोंणा,
उण पंथ री कोई खोज करै है,
उण पंथ री कोई खोज करै है,
वो नर सतुर सुजाण,
वो नर सतुर सुजाण,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।bd।

राम कयो नी जाय मुख से,
हरि कयो नी जाय,
नुगरो सूतो रे आलस में,
मुख से राम कह्यो नी जाय,
मुख से हरि कयो नी जाय।bd।

गायक – हरकेश बालाच ।
6377346986
